*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।** [15]

1. मधुर वाणी बोलने से मन का क्या समाप्त होता है?

   (A) क्रोध (B) लोभ (C) आपा (अहंकार) (D) मोह

   **उत्तर :** (C) आपा (अहंकार)

2. कबीर के अनुसार, किसके हृदय में स्वयं गुरु का वास होता है?

   (A) जिसके मन में झूठ हो (B) जिसके मन में क्रोध हो (C) जिसके मन में साँच हो (D) जिसके मन में लोभ हो

   **उत्तर :** (C) जिसके मन में साँच हो

3. 'बलिहारी' शब्द का क्या अर्थ है?

   (A) प्रणाम करना (B) न्यौछावर होना (C) धन्यवाद करना (D) याद करना

   **उत्तर :** (B) न्यौछावर होना

4. 'आपहूँ सीतल होय' का क्या अर्थ है?

   (A) दूसरों को शांत करना (B) स्वयं भी शांत होना (C) गर्मी दूर करना (D) ठंडा पानी पीना

   **उत्तर :** (B) स्वयं भी शांत होना

5. कबीर के अनुसार, हमारा स्वभाव कौन निर्मल करता है?

   (A) मित्र (B) निंदक (C) गुरु (D) माता-पिता

   **उत्तर :** (B) निंदक

6. कबीर ने गुरु और गोविंद को एक साथ कहाँ खड़े देखा?

   (A) मंदिर में (B) बाजार में (C) सामने (D) रास्ते पर

   **उत्तर :** (C) सामने

7. कबीर ने मन को किसके समान बताया है?

   (A) पक्षी (B) मछली (C) हवा (D) बादल

   **उत्तर:** (A) पक्षी

8. किसकी भली न तो अधिक होती है और न ही कम?

   (A) हवा (B) पानी (C) बरसना और धूप (D) रात और दिन

   **उत्तर :** (C) बरसना और धूप

9. किसके बराबर कोई तपस्या नहीं है?

   (A) दान (B) सत्य (C) पुण्य (D) कर्म

   **उत्तर :** (B) सत्य

10. खजूर का पेड़ किसे छाया नहीं देता है?

    (A) पक्षियों को (B) बच्चों को (C) पंथी को (D) जानवरों को

    **उत्तर :** (C) पंथी को

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

11. गुरु और गोविंद में से किसका महत्त्व अधिक है?

(A) गोविंद (B) गुरु (C) माता-पिता (D) मित्र

**उत्तर :** (B) गुरु

12. 'थोथा देइ उड़ाय' का क्या अर्थ है?

(A) बेकार की बातें उड़ा देना
(B) अनाज उड़ाना
(C) कचरा फेंकना
(D) धूल उड़ाना

**उत्तर:** (A) बेकार की बातें उड़ा देना

13. सूप किस चीज को बाहर निकालता है?

(A) सार (B) थोथा (C) अनाज (D) फल

**उत्तर :** (B) थोथा

14. अति का बोलना क्यों अच्छा नहीं है?

(A) इससे हमारी प्रतिष्ठा बढ़ती है
(B) इससे हम ज्ञानी लगते हैं
(C) यह जीवन के संतुलन के विरुद्ध है
(D) इससे लोग हमें पसंद करते हैं

**उत्तर :** (C) यह जीवन के संतुलन के विरुद्ध है

15. खजूर के पेड़ का उदाहरण किस संदर्भ में दिया गया है?

(A) प्रकृति का वर्णन करने के लिए
(B) बड़े होकर भी किसी के काम न आने के संदर्भ में
(C) फल का महत्त्व बताने के लिए
(D) पेड़-पौधों का महत्त्व बताने के लिए

**उत्तर :** (B) बड़े होकर भी किसी के काम न आने के संदर्भ में

*** रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।** [10]

16. कबीर के अनुसार आलोचकों को अपने ____________ रखना चाहिए।

**उत्तर :** पास

17. कबीर ने कहा है कि ____________ से बढ़कर कोई तप नहीं है।

**उत्तर :** सत्य

18. कबीर ने मन की तुलना ____________ से की है।

**उत्तर :** पंछी (पक्षी)

19. खजूर के पेड़ की तरह बड़ा होकर भी यदि कोई छाया और फल न दे तो उसका ____________ व्यर्थ है।

**उत्तर :** बड़ा होना

20. जिसके हृदय में ____________ बसता है, उसके लिए वही सच्चा गुरु है।

**उत्तर :** सत्य

21. जैसा संग होगा वैसा ही ____________ मिलेगा।

**उत्तर :** फल

22. सच्चा गुरु वह है जो शिष्य को ____________ के मार्ग पर चलना सिखाए।

**उत्तर :** ईश्वर

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

23. सज्जन व्यक्ति की संगति में रहने से बुरे गुण __________ जाते हैं।

**उत्तर :** छिप

24. हमें अपनी वाणी से दूसरों को दुखी नहीं बल्कि __________ करना चाहिए।

**उत्तर :** प्रसन्न (शीतल)

25. हमें हमेशा मधुर वाणी बोलनी चाहिए, जिससे दूसरों का और अपना मन __________ हो।

**उत्तर :** शीतल

*** प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए।** [15]

26. कबीर के अनुसार, जीवन में क्या बनाए रखना चाहिए?

**उत्तर :** कबीर के अनुसार, जीवन में संतुलन बनाए रखना चाहिए।

27. कबीर ने गुरु और गोविंद में से किसे अधिक महत्त्व दिया है?

**उत्तर :** कबीर ने गुरु को अधिक महत्त्व दिया है।

28. किसके हृदय में गुरु वास करते हैं?

**उत्तर :** जिसके हृदय में साँच (सत्य) होता है।

29. खजूर का पेड़ क्या नहीं दे पाता है?

**उत्तर :** खजूर का पेड़ राहगीरों को छाया नहीं दे पाता है।

30. गुरु को बलिहारी क्यों कहा गया है?

**उत्तर :** गुरु को बलिहारी इसलिए कहा गया है क्योंकि उन्होंने ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग बताया है।

31. निंदक को पास क्यों रखना चाहिए?

**उत्तर :** निंदक को पास इसलिए रखना चाहिए ताकि वह हमारी कमियाँ बता सके।

32. मधुर वाणी बोलने से स्वयं को क्या लाभ होता है?

**उत्तर :** मधुर वाणी बोलने से स्वयं को शांति और शीतलता मिलती है।

33. मन को किस के समान चंचल बताया गया है?

**उत्तर :** मन को पक्षी के समान चंचल बताया गया है।

34. सबसे बड़ा पाप क्या है?

**उत्तर :** सबसे बड़ा पाप झूठ है।

35. सूप किस चीज़ को अपने पास रखता है?

**उत्तर :** सूप सार या अच्छी चीजों को अपने पास रखता है।

36. 'आपा खोय' का क्या अर्थ है?

**उत्तर :** 'आपा खोय' का अर्थ है अहंकार त्यागना।

37. 'थोथा' शब्द का क्या अर्थ है?

**उत्तर :** 'थोथा' शब्द का अर्थ है सारहीन या बेकार की बातें।

38. 'निर्मल करै सुभाय' से क्या तात्पर्य है?

**उत्तर :** 'निर्मल करै सुभाय' का तात्पर्य स्वभाव को शुद्ध करना है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

39. अति का बोलना क्यों अच्छा नहीं है?

**उत्तर :** अति का बोलना इसलिए अच्छा नहीं है क्योंकि यह दूसरों को अप्रिय लग सकता है।

40. खजूर के पेड़ के फल कहाँ लगते हैं?

**उत्तर :** खजूर के पेड़ के फल बहुत दूर लगते हैं।

*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** [20]

41. कबीर के अनुसार हमें निंदक को अपने पास क्यों रखना चाहिए?

**उत्तर :** कबीर के अनुसार निंदक को पास इसलिए रखना चाहिए क्योंकि वह हमारी कमियों और बुराइयों को उजागर करता है। इससे हम बिना किसी प्रयास के अपने स्वभाव को सुधार सकते हैं, ठीक उसी तरह जैसे पानी और साबुन के बिना कपड़े साफ होते हैं।

42. कबीर ने गुरु को गोविंद से भी ऊँचा क्यों माना है?

**उत्तर :** कबीर ने गुरु को गोविंद से भी ऊँचा इसलिए माना है क्योंकि गुरु ही वह माध्यम है जिन्होंने शिष्य को ईश्वर तक पहुँचने का सही मार्ग दिखाया। गुरु के ज्ञान के बिना ईश्वर को जानना संभव नहीं है।

43. मधुर वाणी बोलने के क्या लाभ हैं?

**उत्तर :** मधुर वाणी बोलने से व्यक्ति का अहंकार समाप्त होता है। यह वाणी दूसरों को शांति प्रदान करती है और साथ ही स्वयं के मन को भी सुकून देती है, जिससे मन शांत और प्रसन्न रहता है।

44. 'बिन पानी साबुन बिना, निर्मल करै सुभाय' इस पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

**उत्तर :** इस पंक्ति का भावार्थ है कि जिस प्रकार साबुन और पानी से हम अपने शरीर को स्वच्छ करते हैं, उसी प्रकार एक निंदक व्यक्ति अपनी आलोचनाओं से हमारे स्वभाव को बिना किसी बाहरी साधन के ही शुद्ध कर देता है, क्योंकि हम उसकी बातों से अपनी कमियों को दूर करने का प्रयास करते हैं।

45. मन को पक्षी के समान क्यों कहा गया है?

**उत्तर :** मन को पक्षी के समान इसलिए कहा गया है क्योंकि जिस तरह पक्षी स्वतंत्र होकर कहीं भी जा सकता है, उसी तरह हमारा मन भी अत्यंत चंचल है और वह कहीं भी भटक सकता है।

46. 'अति का भला न बोलना...' दोहे के अनुसार जीवन में संतुलन का क्या महत्त्व है?

**उत्तर :** इस दोहे के अनुसार जीवन में संतुलन का बहुत महत्त्व है। जैसे अत्यधिक बारिश और अत्यधिक धूप दोनों ही नुकसानदेह हैं, उसी तरह अत्यधिक बोलना या अत्यधिक चुप रहना भी अच्छा नहीं है। हमें हर काम में मध्यम मार्ग अपनाना चाहिए।

47. कबीर के दोहे में 'सत्य' और 'झूठ' को कैसे परिभाषित किया गया है?

**उत्तर :** कबीर ने सत्य को सबसे बड़ी तपस्या के रूप में परिभाषित किया है, जिसका पालन करना कठिन है लेकिन इसका परिणाम अच्छा होता है। वहीं, झूठ को सबसे बड़ा पाप बताया गया है, जो हमारे मन को दूषित करता है।

48. 'जो जैसी संगति करै, सो तैसा फल पाय' दोहे का सार क्या है?

**उत्तर :** इस दोहे का सार यह है कि हमारी संगति का हमारे जीवन और भविष्य पर सीधा प्रभाव पड़ता है। अच्छी संगति हमें अच्छे रास्ते पर ले जाती है और हमें सकारात्मक परिणाम देती है, जबकि बुरी संगति से हमें नकारात्मक परिणाम मिलते हैं।

49. खजूर के पेड़ के उदाहरण से कबीर क्या संदेश देना चाहते हैं?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

**उत्तर :** खजूर के पेड़ का उदाहरण देकर कबीर यह संदेश देना चाहते हैं कि सिर्फ बड़ा या धनी होना पर्याप्त नहीं है। यदि हम किसी के काम नहीं आ सकते या दूसरों की मदद नहीं कर सकते, तो हमारा बड़ा होना व्यर्थ है।

50. 'साधू ऐसा चाहिए...' दोहे के आधार पर एक साधु के क्या गुण होने चाहिए?

**उत्तर :** इस दोहे के आधार पर एक साधु का स्वभाव सूप जैसा होना चाहिए। उसे समाज और लोगों से केवल अच्छी और सारगर्भित बातों को ही ग्रहण करना चाहिए और व्यर्थ की बातों को तुरंत त्याग देना चाहिए।

*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** **[18]**

51. मधुर वाणी बोलने के महत्त्व और उसके प्रभाव पर कबीर के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

**उत्तर :** कबीर ने 'ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय' दोहे में मधुर वाणी के महत्त्व पर जोर दिया है। उनका मानना है कि हमारी वाणी ऐसी होनी चाहिए जो हमारे मन के अहंकार को नष्ट करे। मधुर वाणी का प्रभाव न केवल दूसरों पर होता है, बल्कि स्वयं पर भी होता है। जब हम मधुर बोलते हैं, तो दूसरों को तो शांति और सुकून मिलता ही है, साथ ही हमें भी आंतरिक शांति का अनुभव होता है। मधुर वाणी प्रेम और सद्भाव को बढ़ाती है, जिससे समाज में सकारात्मक माहौल बनता है।

52. 'अति का भला न बोलना, अति का भला न चूप' दोहे में कबीर जीवन के किस सिद्धांत को समझाना चाहते हैं? विस्तार से बताइए।

**उत्तर :** इस दोहे में कबीर जीवन में 'संतुलन' के सिद्धांत को समझाना चाहते हैं। वे कहते हैं कि किसी भी चीज़ की अति अच्छी नहीं होती। उदाहरण के लिए, न तो बहुत अधिक बोलना अच्छा है, क्योंकि यह विवादों को जन्म दे सकता है और न ही बहुत अधिक चुप रहना अच्छा है, क्योंकि इससे आपके विचार और भावनाएँ व्यक्त नहीं हो पातीं। इस प्रकार, अत्यधिक वर्षा या अत्यधिक धूप भी प्रकृति के लिए हानिकारक है। अतः कबीर हमें हर स्थिति में मध्यम मार्ग और संतुलन बनाए रखने की सीख देते हैं।

53. कबीर के अनुसार, संगति का हमारे जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है? उदाहरण देकर समझाएँ।

**उत्तर :** कबीर के दोहे के अनुसार, संगति का हमारे जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। वे कहते हैं कि "जो जैसी संगति करै, सो तैसा फल पाय" अर्थात् हम जिन लोगों के साथ रहते हैं, उनके गुण-अवगुण हमारे अंदर भी आ जाते हैं। यदि हम अच्छे लोगों की संगति करते हैं, तो हमारे विचार और कर्म भी अच्छे होंगे और हमें सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। इसके विपरीत, यदि हम बुरी संगति में रहेंगे, तो हमारा स्वभाव भी बिगड़ जाएगा और हमें नकारात्मक परिणाम भुगतने पड़ेंगे। इस प्रकार, संगति हमारे चरित्र और भविष्य का निर्माण करती है।

54. कबीर के दोहों के आधार पर गुरु, निंदक और साधु के महत्त्व की तुलना कीजिए।

**उत्तर :** कबीर के दोहों में गुरु, निंदक और साधु तीनों को ही बहुत महत्त्वपूर्ण बताया गया है। गुरु का स्थान सर्वोपरि है क्योंकि वह ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग दिखाता है। निंदक भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि वह हमारी कमियाँ बताकर हमें आत्म-सुधार का अवसर देता है। साधु को एक आदर्श व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिसका स्वभाव सूप जैसा होना चाहिए, यानी जो अच्छी बातों को ग्रहण करे और बुरी बातों को त्याग दे। इस प्रकार, तीनों ही हमें जीवन के सही रास्ते पर चलने में सहायता करते हैं।

55. 'बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर' दोहे के माध्यम से कबीर किस सामाजिक मूल्य पर प्रकाश डालते हैं?

**उत्तर :** इस दोहे के माध्यम से कबीर 'परोपकार' और 'उपयोगिता' जैसे सामाजिक मूल्यों पर प्रकाश डालते हैं। वे कहते हैं कि सिर्फ बड़ा या धनी होना पर्याप्त नहीं है, यदि आप किसी के काम नहीं आ सकते। खजूर का पेड़ बहुत बड़ा होता है, लेकिन न तो वह राहगीरों का छाया दे पाता है और न ही उसके फल आसानी से तोड़े जा सकते हैं। इसी तरह, यदि एक व्यक्ति समाज के लिए उपयोगी नहीं है, तो उसका धन, पद या बड़प्पन व्यर्थ है। कबीर हमें सिखाते हैं कि सच्चा बड़प्पन दूसरों की मदद करने में है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

56. कबीर के दोहों से हमें कौन-कौन सी महत्त्वपूर्ण सीख मिलती है? संक्षेप में लिखिए।

**उत्तर :** कबीर के दोहों से हमें कई महत्त्वपूर्ण सीख मिलती हैं। सबसे पहले, वे हमें सत्य के मार्ग पर चलने की सलाह देते हैं और झूठ से दूर रहने को कहते हैं। दूसरा, वे गुरु का महत्त्व बताते हैं और उन्हें ईश्वर से भी बड़ा मानते हैं। तीसरा, वे जीवन में संतुलन बनाए रखने पर जोर देते हैं। चौथा, वे हमें मधुर वाणी बोलने और अहंकार को त्यागने की सीख देते हैं। पाँचवाँ, वे हमें परोपकार करने और अपने आलोचकों को भी स्वीकार करने की प्रेरणा देते हैं। अंत में, वे हमें बताते हैं कि अच्छी संगति का चुनाव करना हमारे जीवन के लिए कितना महत्त्वपूर्ण है।

*** निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए।** [40]

साँच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप।
जाके हिरदे साँच है, ता हिरदे गुरु आप ॥

57. सत्य के बराबर क्या नहीं है?
(अ) धन (ब) तप
(स) दान (द) मान

58. झूठ के बराबर क्या माना गया है?
(अ) पाप (ब) पुण्य
(स) कर्म (द) धर्म

59. इस दोहे के अनुसार सबसे बड़ी तपस्या क्या है?
(अ) तपस्या (ब) पूजा
(स) दान (द) सत्य

60. झूठ को सबसे बड़ा पाप क्यों माना गया है?

61. क्या किसी व्यक्ति के मन में सत्य होने पर ही ईश्वर का वास होता है?

**उत्तर :** 1. (ब) तप
2. (अ) पाप
3. (द) सत्य
4. झूठ बोलने से न केवल दूसरों को हानि होती है, बल्कि यह हमारे मन और आत्मा को भी दूषित करता है।
5. हाँ, कबीर के अनुसार, ईश्वर उसी के हृदय में निवास करते हैं जिसके हृदय में सच्चाई होती है।

बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
पंथी को छाया नहीं, फल लागै अति दूर ॥

62. कबीर ने किस पेड़ का उदाहरण दिया है?
(अ) आम (ब) नीम
(स) खजूर (द) बरगद

63. खजूर का पेड़ किसे छाया नहीं देता है?
(अ) जानवरों को (ब) राहगीर को
(स) पक्षियों को (द) बच्चों को

64. खजूर के पेड़ के फल कहाँ लगते हैं?
(अ) बहुत पास (ब) बहुत दूर
(स) जमीन पर (द) पास की डाली पर

65. कबीर ने खजूर के पेड़ को किस संदर्भ में उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया है?

66. इस दोहे के अनुसार 'बड़ा' व्यक्ति किसे कहा जा सकता है?


Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

**उत्तर :** 1. (स) खजूर
2. (ब) राहगीर को
3. (ब) बहुत दूर
4. कबीर ने खजूर के पेड़ को एक ऐसे व्यक्ति के संदर्भ में प्रस्तुत किया है जो बड़ा और संपन्न तो है, लेकिन किसी के काम नहीं आ सकता।
5. इस दोहे के अनुसार 'बड़ा' व्यक्ति वह है जो दूसरों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहे, न कि सिर्फ धन या पद में बड़ा हो।

ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को सीतल करै, आपहुँ सीतल होय ॥

67. इस दोहे के अनुसार, हमें कैसी वाणी बोलनी चाहिए?
(अ) कठोर (ब) मधुर
(स) धीमी (द) तेज

68. 'आपा' शब्द का क्या अर्थ है?
(अ) वाणी (ब) अहंकार
(स) मन (द) विचार

69. 'सीतल' शब्द का क्या अर्थ है?
(अ) क्रोधित (ब) शांत
(स) गर्म (द) कठोर

70. मधुर वाणी दूसरों को कैसे प्रभावित करती है?

71. क्या मधुर वाणी का प्रभाव स्वयं पर भी होता है?

**उत्तर :** 1. (ब) मधुर
2. (ब) अहंकार
3. (ब) शांत
4. मधुर वाणी दूसरों को शांति और शीतलता प्रदान करती है, जिससे उनका मन प्रसन्न होता है।
5. हाँ, जब हम मधुर वाणी बोलते हैं, तो हमें स्वयं भी आंतरिक शांति और सुकून का अनुभव होता है।

गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागौं पाँय।
बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय ॥

72. गुरु और गोविंद में से किसे पहले चरण स्पर्श करने की बात कही गई है?
(अ) गोविंद (ब) गुरु
(स) दोनों के (द) किसी के नहीं

73. कबीर किसके प्रति बलिहारी व्यक्त करते हैं?
(अ) स्वयं के प्रति (ब) गुरु के प्रति
(स) गोविन्द के प्रति (द) शिष्य के प्रति

74. इस दोहे के अनुसार सबसे बड़ा कौन है?
(अ) गोविंद (ब) माता-पिता
(स) गुरु (द) मित्र

75. गुरु और गोविंद के एक साथ खड़े होने पर कबीर ने किसे प्राथमिकता दी है?

76. गुरु के बिना क्या संभव नहीं है?

**उत्तर :** 1. (ब) गुरु
2. (ब) गुरु के प्रति

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

3. (स) गुरु

4. कबीर ने गुरु और गोविंद के एक साथ खड़े होने पर गुरु को प्राथमिकता दी है, क्योंकि गुरु ने ही ईश्वर तक पहुँचने का मार्ग दिखाया है।

5. कबीर के अनुसार, गुरु के बिना ईश्वर को जानना या उन तक पहुँचना संभव नहीं है।

निंदक नियरे राखिए, आँगन कुटी छवाय।
बिन पानी साबुन बिना, निर्मल करै सुभाय ॥

77. कबीर ने निंदक को कहाँ रखने की सलाह दी है?
(अ) घर के बाहर (ब) पास
(स) दूर (द) जंगल में

78. निंदक हमारे स्वभाव को कैसे निर्मल करता है?
(अ) पानी से (ब) साबुन से
(स) अपनी निंदा द्वारा (द) उपदेश देकर

79. 'निंदक' शब्द का क्या अर्थ है?
(अ) प्रशंसक (ब) सलाहकार
(स) आलोचक (द) मित्र

80. कबीर निंदक को पास रखने की सलाह क्यों देते हैं?

81. 'बिन पानी साबुन बिना, निर्मल करै सुभाय' पंक्ति का क्या भाव है?

**उत्तर :** 1. (ब) पास

2. (स) अपनी निंदा द्वारा

3. (स) आलोचक

4. निंदक हमें हमारी कमियाँ बताता है, जिससे हमें अपने स्वभाव को सुधारने का मौका मिलता है।

5. इस पंक्ति का भाव है कि निंदक व्यक्ति बिना किसी प्रयास के ही, अपनी बातों से हमारे स्वभाव और आचरण को शुद्ध कर देता है।

साधू ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय।
सार सार को गहि रहै, थोथा देइ उड़ाय ॥

82. कबीर के अनुसार, साधु का स्वभाव किसके समान होना चाहिए?
(अ) सूप (ब) खजूर का पेड़
(स) पंछी (द) चाँद

83. 'सूप' का क्या काम होता है?
(अ) पानी भरना (ब) हवा देना
(स) अनाज साफ करना (द) छाया देना

84. साधु को क्या त्याग देना चाहिए?
(अ) धन (ब) सार सार
(स) बुरी बातें (द) भोजन

85. एक सज्जन व्यक्ति और एक सूप में क्या समानता है?

86. यदि हम बिना सोचे-समझे हर बात को स्वीकार कर लें तो क्या होगा?

**उत्तर :** 1. (अ) सूप

2. (स) अनाज साफ करना

3. (स) बुरी बातें

4. एक सज्जन व्यक्ति और एक सूप दोनों ही अच्छी चीजों को ग्रहण करते हैं और बुरी या बेकार चीजों को छोड़ देते

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

हैं।

5. यदि हम बिना सोचे-समझे हर बात को स्वीकार कर लें तो हमारे जीवन में गलत विचार और बुरी आदतें आ सकती हैं, जिससे हमारा जीवन नकारात्मक रूप से प्रभावित होगा।

कबिरा मन पंछी भया, भावै तहवाँ जाय।
जो जैसी संगति करै, सो तैसा फल पाय ॥

87. कबीर ने मन की तुलना किससे की है?
(अ) फूल (ब) पक्षी
(स) नदी (द) पत्थर

88. 'संगति' शब्द का क्या अर्थ है?
(अ) साथ (ब) गीत
(स) लड़ाई (द) भोजन

89. अच्छी संगति करने से हमें क्या मिलेगा?
(अ) अच्छा फल (ब) बुरा फल
(स) कोई फल नहीं (द) निराशा

90. हमारे जीवन पर संगति का क्या प्रभाव पड़ता है?

91. यदि हम बुरी संगति में रहेंगे तो क्या होगा?

**उत्तर :** 1. (ब) पक्षी
2. (अ) साथ
3. (अ) अच्छा फल
4. हमारे जीवन में अच्छी संगति से अच्छे परिणाम मिलते हैं और बुरी संगति से बुरे परिणाम मिलते हैं।
5. यदि हम बुरी संगति में रहेंगे तो हमारे विचार और कर्म भी बुरे हो जाएंगे, जिससे हमें जीवन में बुरा फल मिलेगा।

अति का भला न बोलना, अति का भला न चूप।
अति का भला न बरसना, अति की भली न धूप ॥

92. 'चूप' शब्द का क्या अर्थ है?
(अ) बोलना (ब) चुप रहना
(स) सुनना (द) देखना

93. यह दोहा किस पर बल देता है?
(अ) अत्यधिक बोलने पर (ब) चुप रहने पर
(स) संतुलन पर (द) तपस्या पर

94. कबीर ने किन प्राकृतिक घटनाओं का उदाहरण दिया है?
(अ) हवा और पानी (ब) वर्षा और धूप
(स) चाँद और तारे (द) पेड़ और पौधे

95. कबीर ने अत्यधिक बोलने और अत्यधिक चुप रहने को अच्छा क्यों नहीं माना है?

96. यह दोहा हमें जीवन में क्या सीख देता है?

**उत्तर :** 1. (ब) चुप रहना
2. (स) संतुलन पर
3. (ब) वर्षा और धूप
4. कबीर ने अत्यधिक बोलने और अत्यधिक चुप रहने को अच्छा नहीं माना है क्योंकि दोनों ही स्थितियाँ नुकसानदेह होती हैं। अतः जीवन में संतुलन बनाए रखना आवश्यक है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

5. यह दोहा हमें सिखाता है कि हमें जीवन में किसी भी काम में अति नहीं करनी चाहिए और हमेशा संतुलन बनाए रखना चाहिए।

----- -----

Student Bro

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in